सांध्य दैनिक

# 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 9 • अंक: 82 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, गुरुवार, 27 अप्रैल, 2023

मूल्य ₹ 3/-

उपयुक्त समय आने पर वृक्ष में फल लगता है। झड़ने का समय आने पर वह झड़ जाता है। सदा किसी की अवस्था एक जैसी नहीं रहती, इसलिए दु:ख के समय पछताना व्यर्थ है।

–रहीम दास

जिद...सच की


छात्रों को बंधक बनाने के पीछे दिल्ली... 8 | एक ऐसा फैसला, जिसने संविधान... 3 | कर्नाटक : भड़काऊ बयान देने पर... 7


# आनंद मोहन की रिहाई सियासत भी गरमाई

## बाहुबली को गुरुवार सुबह 6:15 बजे किया गया रिहा

### » भाजपा , बसपा व ओवैसी ने उठाया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 1994 में भारतीय प्रशासिनक सेवा अधिकारी और गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारीजी. कृष्णैया की मॉब लिंचिंग कराने के दोषी बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह अंतिम तौर पर आज जेल-मुक्त हो गए। उन्हें सहरसा जेल से गुरुवार सुबह 6:15 बजे रिहा कर दिया गया।

समर्थकों की भीड़ और विधि व्यवस्था को देखते हुए आनंद मोहन को अहले सुबह रिहा किया गया। राजनीति के लिहाज से यह एक राजपूत नेता की रिहाई है। उनकी रिहाई के बाद सियासत भी गरमा गई है। भाजपा, बसपा व औवैसी ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए इसे गलत बताया है, जबकि जदयू व राजद ने इस फैसले को नियमों व संविधान की प्रक्रिया के अंतगर्त लेना बताया है।

वही गिरीराज सिंह ने सही ठहराया तो उन्ही के पार्टी अध्यक्ष ने गलत बताया है।

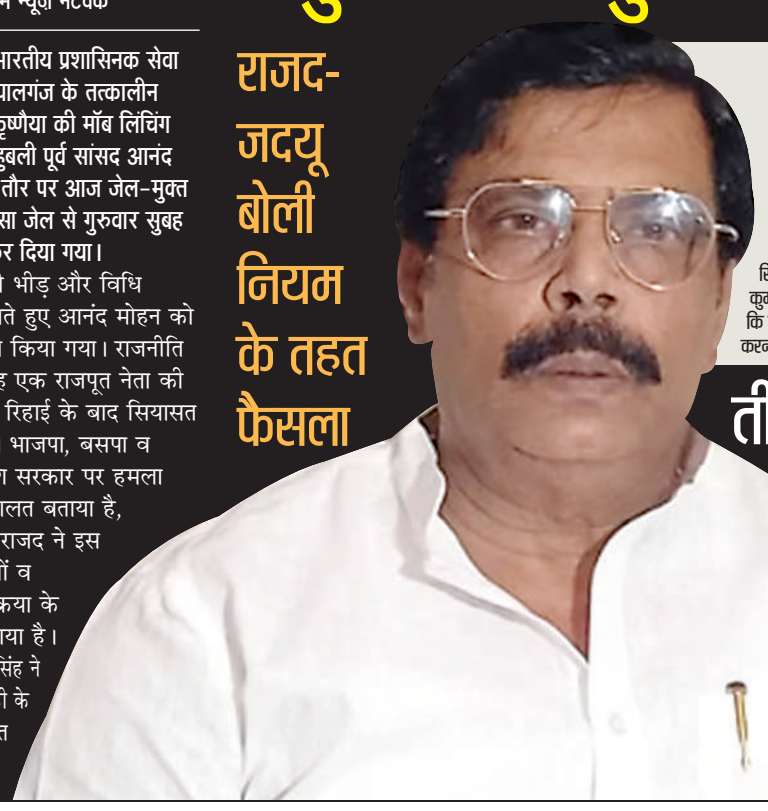

### राजद-जदयू बोली नियम के तहत फैसला



### जी कृष्णैया की पत्नी बोलीं- फैसले से बहुत दुख हुआ

पटना। दिवंगत आइएएस अधिकारी जी कृष्णैया की पत्नी और बेटी ने बाहुबली नेता को रिहा करने के फैसले को अनुचित बताया है। जी कृष्णैया की पत्नी उमा देवी ने कहा कि उन्हें रिहा करना गलत फैसला है। जनता आनंद मोहन की रिहाई का विरोध करेगी, उन्हें वापस जेल भेजने की मांग करेगी। सीएम नीतीश कुमार को इस तरह की चीजों को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। उमा देवी ने आगे कहा कि कि अगर आनंद मोहन भविष्य में चुनाव लड़ेंगे तो जनता को उनका बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने आनंद मोहन को फिर से जेल भेजने की अपील की।

### हम इस फैसले के खिलाफ करेंगे अपील : जी कृष्णैया की बेटी पद्मा

इसके साथ ही, जी कृष्णैया की बेटी पद्मा ने भी आनंद मोहन की रिहाई पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि आनंद मोहन सिंह का आज जेल से छूटना हमारे लिए बहुत दुख की बात है। सरकार को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने नीतीश कुमार से अनुरोध किया कि इस फैसले पर वे दोबारा विचार करें। इस फैसले से उनकी सरकार ने एक गलत मिसाल कायम की है। ये अनुचित है। हम इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे।

### तीस साल पहले हुई थी घटना

आनंद मोहन की बिहार पीपुल्स पार्टी के छोटन शुक्ला की हत्या हो गई थी। हत्यारे पुलिस की वर्दी में आए थे। उनकी हत्या से जनता में आकोश था। छोटन शुक्ला के समर्थक जुलूस निकालकर शव का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे, तभी वहां से गोपालगंज के तत्कालीन डीएम जी कृष्णैया की गाड़ी गुजरी। कृष्णैया हाजीपुर से गोपालगंज लौट रहे थे, तभी भीड़ ने उन्हें गाड़ी से खींच लिया और बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस मामले में 2007 में पटना जिला अदालत ने छह नेताओं को दोषी ठहराया। इनमें आनंद मोहन सिंह और उनकी पत्नी लवली आनंद (दोनों पूर्व सांसद), विजय कुमार शुक्ला (विधायक), अखलाक अहमद और अरुण कुमार (दोनों पूर्व विधायक), हरेंद्र कुमार (वरिष्ठ जदयू नेता) और एसएस ठाकुर शामिल थे।

### राजनीतिक नफा व नुकसान पर नजर

दरअसल, एक जमाने में बिहार पीपुल्स पार्टी की स्थापना कर क्षत्रिय राजनीति का पूरा सिस्टम खड़ा कर रहे आनंद मोहन को आज भी बिहार की राजनीति में राजपूतों के बीच प्रभावी माना जाता है। वह कितने प्रभावी बचे हैं, यह 2024-25 के लोकसभा-विधानसभा चुनावों में पता चलेगा। वह किसके साथ रहते हैं, यह भी काफी हद तक निर्भर करेगा। इसके अलावा यह भी बड़ी बात है कि 1994 से 2005 के बीच का यह बिहार नहीं बचा है।

### बाकी आरोपियों को छोड़ा जा रहा?

आनंद मोहन के साथ कुल 27 को छोड़ने का नोटिफिकेशन जारी हुआ था। इनमें से एक की मौत पहले ही हो चुकी है। शेष 26 को छोड़ने की प्रक्रिया शुरू हुई और आनंद मोहन के पहले ही बहुत सारे छूट भी गए। कुछ तकनीकी कारणों से अभी रिहा नहीं हो सके हैं। 27 में 8 यादव, 5 मुस्लिम, 4 राजपूत, 3 भूमिहार, 2 कोयरी, एक-एक कुर्मी, गंगोता और नोनिया जाति से हैं।

# दिल्ली सीएम आवास के सौंदर्यीकरण पर घमासान जारी

## आप का राजयोग राजरोग में बदला : सुधांशु त्रिवेदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास के सौंदर्यीकरण को लेकर सियासी घमासान जारी है। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के राज्य सभा सांसद व प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि एक कहावत है कि राज योग जब आता है तो अक्सर उसके साथ राज रोग आता है, परन्तु आम आदमी पार्टी के संदर्भ में यह राज रोग इतनी जल्दी इतना संक्रामक हो जाएगा ये दिल्ली की जनता की समझ से बाहर था।

उन्होंने कहा कि आज यह राज रोग उनकी सरकार, पार्टी और संगठन से होता हुआ उनके घर तक पहुंच गया है। आज दिल्ली स्तब्ध है। यह खुलासा साफ-साफ आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार के मुखौटे को बेनकाब करता है।

### राजा को लगता है एक पढ़े लिखे सीएम से डर : राघव चड्ढा

आप नेता राघव चड्ढा ने कहा कि ऐसा कहा जा रहा है कि 1300 करोड़ रुपए राजा के महल को बनाने में खर्च हो रहा है। आईआईटी के एक प्रोग्राम के लिए 10 करोड़ रुपए खर्च किये गए। प्लेन पर 8400 करोड़ रुपए खर्च किये गए। 1500 करोड़ रुपए विदेशी दौरों पर खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि इस मसले को लेकर कल यानी 28 अप्रैल को आम आदमी पार्टी एक व्यापक प्रोटेस्ट करेगी। आप सांसद ने तंज कसते हुए कहा कि एक छोटे से राज्य के पढ़े लिखे मुख्यमंत्री से इस चौथी पास राजा को डर लगता है।

# हावड़ा और दलखोला हिंसा की जांच एनआईए करेगी

### » सुवेंदु अधिकारी की याचिका पर हाईकोर्ट का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में रामनवमी पर हुई हिंसा की जांच अब एनआईए करेगी। कोलेकाता हाईकोर्ट ने रामनवमी के दौरान भड़की हिंसा की जांच एनआईए को स्थानांतरित कर दी है। बंगाल के हावड़ा, हुगली व डालखोला में रामनवमी पर हुई हिंसा की जांच के लिए कलकत्ता हाई कोर्ट ने गुरुवार को की एनआइए जांच का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने बंगाल पुलिस को इस हिंसा की जांच से जुड़े सभी दस्तावेज एनआइए को सौंपने का निर्देश दिया है।

### भाजपा ने की थी मांग

भाजपा विधायक व नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने राज्य में रामनवमी पर हुई हिंसा की एनआइए जांच की मांग करते हुए कोर्ट में याचिका दायर की थी। बता दें कि राज्य में कई जगहों पर रामनवमी पर निकली शोभायात्राओं पर हमला हुआ था। आगजनी, तोड़फोड़ व मारपीट की घटनाएं भी हुई थी।

# सपा ने कई जगह बदले उम्मीदवार, बढ़ा आक्रोश

## निकाय चुनाव डैमेज कंट्रोल में जुटी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी नगर निकाय चुनाव में डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। कई जगह अधिकृत उम्मीदवारों के पर्चा दाखिल करने के बाद उम्मीदवार बदल दिए गए हैं तो कई जगह निर्दल पर दांव लगाया गया है। इससे कुछ स्थानों पर कार्यकर्ताओं के बीच उहापोह की स्थिति बनी हुई है।**

बरेली नगर निगम में सपा ने संजीव सक्सेना को उम्मीदवार घोषित किया। उन्होंने पर्चा दाखिल कर दिया है। मंगलवार को यहां से निर्दल पर्चा भरने वाले पूर्व महापौर डा. आईएस तोमर को समर्थन देने का एलान कर दिया गया। इससे यहां असमंजस की स्थिति बन गई है। जबकि, संजीव सक्सेना खुद को पार्टी उम्मीदवार बताते हुए चुनाव प्रचार में जुटे हैं। यहां बृहस्पतिवार को पर्चा वापसी का दिन है, लेकिन संजीव पर्चा वापस लेने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में यहां का चुनाव दिलचस्प हो गया है। इसी तरह नगर पंचायत भोगांव में पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार ही नहीं उतारे हैं। यहां दो निर्दलीय खुद को पार्टी समर्थित होने का दावा करते हुए वोट मांग रहे हैं। हापुड़ में अनिल आजाद के नाम की घोषणा की गई। लेकिन बाद में पार्टी ने आजाद समाज पार्टी की पूजा को समर्थन देने का एलान कर दिया है। बाराबंकी में हैदरगढ़ नगर पंचायत से पूर्व विधायक राम मगन रावत ने पर्चा भरा, लेकिन दो दिन बाद पप्पू सिद्दकी को समर्थन देने का एलान कर दिया गया है। ऐसे में यहां पूर्व विधायक समर्थकों ने बगावत का एलान कर दिया है। बलिया के सिकंदरपुर में सपा ने दिनेश चौधरी को टिकट दिया है। इससे सपा विधायक मोहम्मद जियाउद्दीन रिजवी ने भीष्म यादव को निर्दल चुनाव लड़ाने का एलान कर दिया है। बांदा में सपा से पूर्व चैयरमैन मोहन साहू की पत्नी गीता साहू ने पर्चा दाखिल किया और बाद में सपा ने विदित त्रिपाठी को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। उम्मीदवार बदलने के पीछे पार्टी के नेता जिताऊ और टिकाऊ की दुहाई दे रहे हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं के बीच उहापोह बढ़ता जा रहा है। पिलखुआ में पहले मो़ बिलाल को टिकट दिया गया और बाद में प्रवीण प्रताप को बना दिया गया। खलीलाबाद में पूर्व चेयरमैन जगत जायसवाल ने सपा से पर्चा भरा और सोमवार को पार्टी ने पवन छापड़िया को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। मेहदावल से कृतिका पांडेय ने पर्चा भरा और उनकी जगह अब लक्ष्मी निषाद को उम्मीदवार घोषित कर दिया गया है। हैंसर नगर पंचायत से मनीषा पासवान के पर्चा भरने के बाद अब सुभावती ने भी पर्चा भर दिया है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का कहना है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से विचार विमर्श के बाद कुछ स्थानों पर उम्मीदवार बदले गए हैं। ये सभी जिताऊ उम्मीदवार हैं।

### लगातार हुई अदला- बदली

**निकाय चुनाव के दौरान सपा ने लगातार उम्मीदवारों की अदला- बदली की है। इसे लेकर भी पार्टी नेताओं में उलझन है। पार्टी ने झांसी से पहले डा. रघुवीर चौधरी को उम्मीदवार बनाया और फिर यहां से पूर्व विधायक सतीश जतारिया को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इसी तरह गाजियाबाद से पहले नीलम गर्ग को उम्मीदवार बनाया गया था और बाद में पूनम यादव को बना दिया गया है। इसी तरह नगर पालिका परिषद अध्यक्षों के भी टिकट बदले गए हैं।**

# निकायों में भ्रष्टाचार चरम पर : मायावती

### » बसपा प्रमुख का भाजपा और सपा पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। यूपी निकाय चुनाव में घमासान तेज हो गया है। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने भी गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी पर हमला बोला। मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा कि यूपी में मेयर और सभासद, नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्ष आदि के लिए हो रहे चुनाव में इन संस्थानों में जबरदस्त भ्रष्टाचार, सड़क, सफाई, नाली सहित विकास का घोर अभाव, हाउस टैक्स में मनमानी बढ़ोतरी और उनपर भारी ब्याज आदि जंजालों से मुक्ति के लिए बीएसपी जैसा सर्वजन हिताय परिवर्तन जरूरी।**

उन्होंने आगे लिखा कि वैसे भाजपा हो या सपा सत्ताधारी पार्टियां सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के अलावा साम, दाम, दंड, भेद आदि अनेकों हथकंडे चुनावों में अपनाती हैं, किन्तु प्रबुद्ध व मेहनतकश शहरी जनता द्वारा अपने असली हित, सुख-सुविधा, सफाई व भ्रष्टाचार पर अंकुश आदि हेतु वोट का प्रभावी इस्तेमाल जरूरी। मायावती ने लिखा कि स्वाभाविक है कि यूपी के लोग अगर अपनी दिन-प्रतिदिन की मुसीबतों, जंजालों, जुल्म-ज्यादती व लगातार दुष्कर होते जीवन व असुरक्षा आदि से मुक्ति चाहते हैं तो उन्हें भाजपा सरकार के लुभावने वादे एवं कागजी दावों आदि के छलावे से बाहर निकलना होगा, बीएसपी की यह अपील।

# पार्टी कार्यालय ने भाजपा सांसद, विधायक और जिला अध्यक्ष को किया तलब

### » 14 नेताओं की रिपोर्ट पर कार्यवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल । भाजपा की 14 दिग्गज नेताओं की रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। संगठन ने नेताओं की नाराजगी को दूर करने और जनप्रतिनिधियों को खिलाफ मिली शिकायत पर नसीहत देने के लिए सांसद, विधायक और जिला अध्यक्षों को गुरुवार को भोपाल तलब किया है।**

भाजपा मुख्यालय में गुरुवार सुबह 11 बजे पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी मोर्चा अध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष एवं बूथ प्रबंधन के जिला प्रभारियों के साथ बैठक होगी। वहीं, शाम 7 बजे सभी सांसद, विधायकों के साथ बैठक होगी। बैठक में पार्टी के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा शामिल होंगे।

## शरद पवार के अदाणी से रिश्तों पर भी करें ट्वीट राहुल गांधी : हिमंत बिस्व सरमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**दिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती दी है। उन्होंने राहुल को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार के खिलाफ ट्वीट करने को कहा है। बता दें, ये बयान अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी और शरद पवार के बीच हुई बैठक के बाद दिया गया। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक कार्यक्रम के दौरान शरद पवार की अदाणी ग्रुप के चैयरपर्सन गौतम अदाणी से हुई हालिया मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि हम अदाणी के दोस्त हैं। मैं उन्हें जानता तक नहीं हूं। पूर्वोत्तर के लोगों को अदाणी, अंबानी और टाटा तक पहुंचने में कुछ समय लगेगा। हम वहां पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।**

# मप्र के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह पर मानहानि केस में आरोप तय

### » भोपाल कोर्ट में 1 जुलाई को सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सात साल पुराने बयान पर भोपाल कोर्ट ने मानहानी केस में कोर्ट ने आरोप तय कर दिये है। भोपाल कोर्ट ने धारा 500 के तहत आरोप तय कर दिये है। मामले की अगली सुनवाई 1 जुलाई को होगी। कोर्ट में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ मानहानि का केस किया था। एमपी एमएलए कोर्ट ने दिसंबर 2022 में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के खिलाफ धारा 500 आईपीसी के तहत केस दर्ज किया था। अब कोर्ट ने मामले में आरोप तय कर दिये हैं। इसकी सुनवाई 1 जुलाई को होगी।**

बता दें कि वीडी शर्मा ने अपने मानहानि मामले में कोर्ट को बताया कि दिग्विजय सिंह ने 4 जुलाई 2014 को इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के सामने उनके विरुद्ध आरोप लगाते हुए कहा था कि वीडी शर्मा एबीवीपी के महामंत्री रहे हैं, उनके द्वारा आरएसएस और व्यापमं के बीच में बिचौलिए का काम किया गया है। जिसका प्रकाशन समाचार पत्रों में हुआ था। जिसको आमजन द्वारा पढ़ा गया एवं आम जनता के बीच में उनकी उक्त आरोपों के कारण छवि धूमिल हुई थी। जिससे व्यथित होकर उन्होंने कोर्ट के सामने मानहानि का मुकदमा दायर कर साक्ष्य प्रस्तुत किए।

# पुलिस ने की युवक की निर्मम हत्या : अधिकारी

### » भाजपा ने ममता सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अधिकारी ने आरोप लगाए हैं कि राज्य की पुलिस ने कलियागंज इलाके में एक राजबंगशी युवक की हत्या की है।**

अधिकारी ने कहा कि राज्य में अशांति फैल रही है और लोगों से अपील की कि वह लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएं। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने ट्वीट करते हुए लिखा कि ममता पुलिस ने कलियागंज में 33 वर्षीय राजबंगशी युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। ममता पुलिस ने भाजपा पंचायत समिति सदस्य बिशनु बर्मन के घर पर रात ढाई बजे छापेमारी की, जब घर पर बिशनु बर्मन नहीं मिला तो उन्होंने राजबंगशी युवक मृत्युंजय बर्मन (33 वर्षीय) की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी। यह राज्य आतंक की सबसे बुरी स्थिति है और ममता बनर्जी सम्राट नीरो की तरह बांसुरी बजा रहे हैं और राज्य जल रहा है और नागरिक अशांति की तरफ जा रहा है। ममता बनर्जी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी कलियागंज के लोगों के खिलाफ युद्ध छेड़ने की बात कही थी। कुछ ही घंटों बाद पुलिस ने उसका पालन कर दिया। राज्य द्वारा की गई इस निर्मम हत्या की जिम्मेदारी उन्हें लेनी चाहिए। शुभेंदु अधिकारी ने आगे लिखा कि लोगों को ऐसे हिंसा और खून खराबे के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठानी चाहिए।

# एक ऐसा फैसला, जिसने संविधान की महत्ता बताई

## ऐतिहासिक केशवानंद भारती जजमेंट के 50 साल, संसद को मूलअधिकार समेत संविधान के मूल ढांचे में किसी भी तरह के बदलाव से रोका था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केशवानंद भारती केस में आए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। इसी फैसले में शीर्ष अदालत ने संसद को मूलअधिकार समेत संविधान के मूल ढांचे में किसी भी तरह के बदलाव से रोक दिया था। 24 अप्रैल को इस फैसले की 50वीं वर्षगांठ पर सुप्रीम कोर्ट ने इससे जुड़े सभी रिकॉर्ड को अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया। शीर्ष अदालत के 13 जजों की अबतक की सबसे बड़ी बेंच ने ये फैसला सुनाया था। वेबसाइट पर बेंच के सदस्यों के दिए 11 अलग-अलग राय को भी अपलोड किया गया है।

केशवानंद भारती केस की सुनवाई 13 जजों की संविधान पीठ ने की थी। बेंच में तत्कालीन सीजेआई एसएम सिकरी के अलावा जस्टिस जेएम शेलत, केएस हेगड़े, एएन ग्रोवर, एएन रे, पीजे रेड्डी, डीजी पालेकर, एचआर खन्ना, केके मैथ्यू, एमएच बेग, एसएन द्विवेदी, बीके मुखर्जी और वाईवी चन्द्रचूड़ शामिल थे। केंद्र सरकार को संविधान के 368 के तहत संविधान संशोधन का अधिकार असीमित है या नहीं, इस पर बेंच के जजों की राय जबरदस्त तौर पर बंटी हुई थी। 7-6 के बहुमत से सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि आर्टिकल 368 के तहत केंद्र को जो संशोधन के अधिकार मिले हैं उसमें संविधान के बेसिक स्ट्रक्चर यानी बुनियादी ढांचा में बदलाव का अधिकार नहीं है ताकि उसकी पहचान न बदले।

## सुप्रीम कोर्ट के 3 जजों ने एक साथ दे दिया था इस्तीफा

### तत्कालीन न्यायाधिशों के पुत्र वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में

बुनियादी ढांचा सिद्धांत के पक्ष में सीजेआई सिकरी और जस्टिस शेलत, हेगड़े, ग्रोवर, खन्ना, रेड्डी और मुखर्जी ने फैसला दिया। दूसरी तरफ जस्टिस रे, पालेकर, मैथ्यू, बेग, द्विवेदी और चंद्रचूड़ इससे असहमत थे। जस्टिस मैथ्यू के बेटे केएम जोसेफ सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज हैं वहीं जस्टिस चंद्रचूड़ के बेटे अभी सीजेआई हैं। केशवानंद केस में अपने पिता के विचारों से उलट ये दोनों संवैधानिक मामलों में बुनियादी ढांचा सिद्धांत के प्रबल पैरोकार हैं। जिन जजों ने बुनियादी ढांचा सिद्धांत के पक्ष में फैसला सुनाया था उनमें से कुछ ने तब अपना पक्ष बदल लिया जब संसद के संविधान संशोधन के अधिकार पर बंदिश की बात आई। जस्टिस रे, पालेकर, खन्ना, मैथ्यू बेग, द्विवेदी और चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाया, अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन के अधिकार पर किसी तरह का अंकुश नहीं है।

## इंदिरा गांधी सरकार के निर्णयों की राह में बनी बाधा

बुनियादी ढांचे वाला फैसला इंदिरा गांधी सरकार के निर्णयों की राह में बाधा बना। सरकार ने अगले ही दिन यानी 25 अप्रैल 1973 को जस्टिस रे को एक-दो नहीं बल्कि 3 जजों की वरिष्ठता को नजरअंदाज करते हुए सीजेआई सिकरी का उत्तराधिकारी नियुक्त कर दिया। जस्टिस शेलत, हेगड़े और ग्रोवर तीनों ही जस्टिस रे से सीनियर थे। तीनों ने ही विरोध में इस्तीफा दे दिया। 26 अप्रैल 1973 को जस्टिस रे ने सीजेआई की शपथ ली। इमर्जेंसी के दौरान, जस्टिस खन्ना ने 28 अप्रैल 1976 को एडीएम जबलपुर केस में इकलौता असहमति वाला फैसला दिया। उन्होंने अपने फैसले में लिखा कि जीने का मूलभूत अधिकार किसी भी स्थिति में निलंबित नहीं किया जा सकता, इमर्जेंसी तक में भी नहीं। उनका असहमति वाला फैसला बाकी 4 जजों- सीजेआई एएन रे औ जस्टिस बेग, चंद्रचूड़ और पीएन भगवती के फैसले से ज्यादा चर्चित हुआ। इन चारों जजों का फैसला सरकार की राय के ही तर्ज पर था कि इमर्जेंसी के दौरान सभी मूल अधिकार निलंबित रहेंगे। इंदिरा गांधी सरकार ने एक बार फिर प्रतिशोध की कार्रवाई की और जस्टिस खन्ना की वरिष्ठता को नजरअंदाज कर जस्टिस बेग को सीजेआई नियुक्त कर दिया। जस्टिस खन्ना ने विरोध में इस्तीफा दे दिया। 40 से ज्यादा वर्ष बाद जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एडीएम जबलपुर केस के फैसले को बुरा कानून बताते हुए पलट दिया।

## जजमेंट के सभी दस्तावेज सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर होंगे लोड

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को ऐलान किया कि केशवानंद भारती जजमेंट के सभी दस्तावेज सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर बनाए गए स्पेशल पेज पर अपलोड कर दिए गए हैं।

इनमें नानी पालकीवाला समेत वकीलों की लिखित दलीलें, संबंधित पक्षों की तरफ से दिए गए दस्तावेज समेत सभी केस रिकॉर्ड शामि हैं। सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट में जजों के लिए एक नई लाइब्रेरी का उद्घाटन किया जिसमें कुल 3.8 लाख किताबों और संदर्भ सामग्रियों में से 2.4 लाख को शिफ्ट किया गया है।

# चुनाव को नजदीक देखकर बन रहे मुद्दे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव व लोकसभा चुनाव करीब आते जा रह हैं सियासी दलों बेचैनी बढ़ती जा रही। क्या भाजपा, क्या कांग्रेस, क्या सपी, बसपा,आप या जदयू और अन्य दल चुनाव जीतने के लिए अलग-अलग हथकंडे अपना रही हैं। कहीं कोई दल आप को बढ़ावा दिया जा रहा है तो कहीं धर्म कहीं जाति कहीं कानून व्यवस्था तो कहीं कोई अन्य मुद्दे बढ़ा कर जनता के बीच पैठ बनाकर कुर्सी पाना चाहता है।

चुनाव का वक्त है। कर्नाटक में चुनाव प्रचार ज़ोरों पर है और मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना में चुनावी तैयारियाँ चल रही हैं। कर्नाटक में भाजपा आरक्षण का मुद्दा उठाकर ध्रुवीकरण करके सत्ता वापसी की कोशिश में है तो कांग्रेस वहां की बोम्मई सरकार के भ्रष्टाचार को जोर शोर से उठाकर कुर्सी पर कब्जा करना चाहती है। कागुजरात मॉडल को देखते हुए भाजपा केजरीवाल की आप पार्टी को ज़्यादा तवज्जो दे रही है। आप को भाजपा के खिलाफ बोलने को कहा जा रहा है, ताकि उसकी इंडीविजुअल छवि बन सके और गुजरात की तरह राजस्थान में भी कांग्रेस के वोट काट सके। जहां तक मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का सवाल है, वहाँ आप की ज़्यादा चलने वाली नहीं है, लेकिन राजस्थान में कम वोटों के अंतर वाली सीटों पर आप से भाजपा को निश्चित ही फ़ायदा होगा।

## भाजपा को पन्ना प्रमुखों पर भरोसा

कुल मिलाकर भाजपा के पन्ना प्रमुख की तोड़ आज भी कांग्रेस के पास नहीं है। हो सकता है कांग्रेस को शहरों में बूथ कार्यकर्ता मिल जाएँ, लेकिन कई ऐसे इलाक़े हैं जहां आज भी पार्टी को बूथ कार्यकर्ताओं का टोटा पड़ता है। अचरज की बात यह है कि इसकी पूर्ति करने के लिए संगठन स्तर पर कोई ठोस काम किया भी नहीं गया। आगे भी इसकी उम्मीद कम ही दिखाई देती है। तेलंगाना में फ़िलहाल केसीआर का कोई तोड़ नहीं है।

## राजस्थान में चुनाव के ऐन पहले वादों का सहारा

चुनाव के ऐन पहले ज़रूर कुछ अच्छी सुविधाओं का ऐलान किया गया है, लेकिन चुनाव के पहले तो हर सरकार ऐसा करती ही है। आप ने क्या नया कर दिया? वैसे भी सरकारों के रिपीट होने का किस्सा राजस्थान में है ही नहीं। शुरू में जब केवल कांग्रेस ही थी, और कोई नहीं था, तब की बात अलग है। इसलिए इस बार गहलोत का जादू चलेगा, इसकी कम से कम संभावना तभी है जब भाजपा गलतियों पर गलतियाँ करती जाए। भाजपा की ग़लतियाँ मतलब राजस्थान का लोकल नेतृत्व। राजनीतिक गलियारों की चर्चा का निचोड़ यह है कि अगर वसुंधरा राजे को आगे नहीं किया गया तो भाजपा की लुटिया डूब सकती है। गणित सीधा-सा है- 25-30 सीटों पर वसुंधरा राजे का सीधा प्रभाव है। इलाक़े के तौर पर भी और लोगों, प्रत्याशियों के हिसाब से भी। भाजपा में वसुंधरा राजे के अलावा कोई नेता ऐसा नहीं है जिसका अकेले इतना प्रभाव हो। स्थिति साफ़ है - जैसी कि भाजपा पिछले पाँच सालों से करती आई है, वसुंधरा राजे की अनदेखी जारी रही तो कांग्रेस के मज़बूती के साथ उभरने के सिवाय कोई चारा नहीं रहेगा। भाजपा को अपने अनेक सीएम प्रत्याशियों को लगाम देनी होगी। इसके बिना कल्याण संभव नहीं है।

अशोक गहलोत भले ही कहते रहें कि इस बार सरकार रिपीट होने वाली है, लेकिन मन ही मन वे जानते हैं कि अपने पूरे कार्यकाल में सचिन पायलट और उनके खुद के झगड़ों के अलावा राजस्थान में हुआ ही क्या है?

## छत्तीसगढ़ में रमन सिंह पर भूपेश भारी

उधर छत्तीसगढ़ में भाजपा के रमन सिंह पिछले पाँच साल से निष्क्रिय हैं। कांग्रेस के बघेल जितनी गतिविधियाँ करते रहे हैं उसकी पाँच प्रतिशत भी रमन सिंह ने नहीं कीं। हालांकि इस स्थिति में भी भाजपा रमन सिंह पर ही भरोसा कर रही है। शायद भाजपा नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ के सच से साक्षात्कार कर लिया है। शायद वह अच्छी तरह जान चुका है कि चुनाव बाद होना क्या है? छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भूपेश बघेल जितनी गतिविधियाँ करते रहे हैं उसकी पाँच प्रतिशत भी रमन सिंह ने नहीं कीं।छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भूपेश बघेल जितनी गतिविधियाँ करते रहे हैं उसकी पाँच प्रतिशत भी रमन सिंह ने नहीं कीं। पहले जब छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी थे तब स्थिति और थी, लेकिन अब तो लगभग सीधा मुक़ाबला कांग्रेस और भाजपा में ही है, इसलिए इस राज्य में भाजपा की जीत की संभावनाएँ वैसी नहीं दिखाई देती, जैसी अन्य राज्यों में हो सकती हैं। जहां तक मध्यप्रदेश का सवाल है, यहाँ टक्कर काँटे की हो सकती है। फिर भी कांग्रेस का पलड़ा हल्का ही लग रहा है। अकेले कमलनाथ आख़िर कितनी ताक़त लगा लेंगे। संगठन सुप्त प्रायः है सो अलग।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# एक और कायराना हरकत

> छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा के अरनपुर में नक्सली हमले में 10 जवान और एक ड्राइवर की मौत हो गई है। अरनपुर के आसपास का घटनाक्रम बताया जा रहा है। सूचना के मुताबिक वाहन के जरिए जवान आगे बढ़ रहे थे, तभी नक्सलियों ने बम बलास्ट कर दिया। इस ब्लास्ट में 11 जवान चपेट में आकर जान गंवा बैठे। घटना के बाद उस इलाके में सीआरपीएफ के अतिरिक्त बल भेजे गए हैं। उस इलाके में रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया जा रहा है।

*एकबार फिर नक्सिलयों ने कायराना हरकत की। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सली हमले में 10 डीआरजी जवान और एक ड्राइवर की मौत हो गई है। इस हमले को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक सूचना के बाद कहा जा रहा है कि डीआरजी जवानों ने वाहन में बैठने की चूक की जिसके चलते उन्हें इतना नुकसान उठाना पड़ा।*

*इस तरह की घटना इस साल की शुरुआत में हुई। इस घटना ने सरकारों के ऊपर सवालिया निशान लगा दिया है। केंद्रीय गृहमंत्रालय दावा करता रहता है इस तरह के हमलों में की आई है। मंत्री ये तक कहते है अब ऐसा करने की हिम्मत नक्सली नही करेंगे पर उन्होंने ऐसा दुस्साहस करके सरकार को चुनौती दी है। सरकार कोअपनी रणनीति और मजबूत करनी होगी ताकि आगे से ऐसी वारदात न हो। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा के अरनपुर में नक्सली हमले में 10 जवान और एक ड्राइवर की मौत हो गई है। अरनपुर के आसपास का घटनाक्रम बताया जा रहा है। सूचना के मुताबिक वाहन के जरिए जवान आगे बढ़ रहे थे, तभी नक्सलियों ने बम बलास्ट कर दिया। इस ब्लास्ट में 11 जवान चपेट में आकर जान गंवा बैठे। घटना के बाद उस इलाके में सीआरपीएफ के अतिरिक्त बल भेजे गए हैं। उस इलाके में रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि डीआरजी के जवान आमतौर पर वाहन के जरिए ऑपरेशनल इलाके में नहीं जाते हैं, बेहद जरूरी होने पर बाइक का इस्तेमाल करते हैं। इस वारदात में डीआरजी के जवान कैसे वाहन के जरिए आगे जा रहे थे इसपर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि डीआरजी के 10 जवान और एक ड्राइवर एक ही वाहन में सवार थे। जगरगुंडा सड़क निर्माण का कार्य अंतिम दौर में है। यहां एक और कैंप बनाने की तैयारी हो रही है। इसी वजह से डीआरजी के जवान यहां से आवाजाही कर रहे थे। यह इलाका बेहद संवेदनशील माना जाता है। इसके बाद भी यहां वाहन का प्रयोग किया गया। लंबे समय से यहां आईडी बरामद किए जाते रहे हैं। घटना के बाद सवाल उठ रहे हैं कि यहां डीआरजी जवान का वाहन गुजरने से पहले बम डिफ्यूज स्क्वायड को पहले रवाना नहीं किया गया होगा। इस वजह से आईडी के बारे में पता चल पाया। यह घटनाक्रम पक्की सड़क पर हुई है, जिसके चलते जवानों को अंदाजा ही नहीं था कि यहां आइडी होगा। इस घटना पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, मैं जान गंवाने वाले जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। यह लड़ाई अंतिम दौर में चल रही है। नक्सलियों को किसी भी सूरत में छोड़ा नहीं जाएगा। निश्चित रूप से कुछ योजनाबद्ध तरीके से बनाकर इस नक्सलबाद को समाप्त किया जा रहा है।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# विपक्षी एकता की तान, दिल बड़ा कौन करे

वेद विलास उनियाल

नीतीश कुमार की विपक्षी एकजुटता की कोशिशों के बीच विपक्षी पार्टियां देश में एक बार फिर वही सियासी माहौल चाहती हैं जो कभी 1977 और 1989 में नजर आया था। हालांकि, 1971 में भी पुराने नेताओं ने विपक्षी दलों के साथ मिलकर इंदिरा गांधी के नेतृत्व को चुनौती दी थी। लेकिन उनके इंदिरा हटाओ नारे के सामने उनकी नेतृत्व क्षमता और गरीबी हटाओ का उद्घोष भारी पड़ा था।

वर्ष 1977 में देश में आपातकाल खत्म होने के बाद चुनावी घोषणा हुई तो जयप्रकाश नारायण के मार्गदर्शन में लोकदल व जनसंघ सहित कई दलों ने जनता पार्टी का गठन कर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस से अलग होकर बाबू जगजीवन राम और एचएन बहुगुणा ने सीएफडी का गठन किया था। जिसे बाद में जनता पार्टी में समायोजित कर लिया गया था। अस्सी के दशक में रक्षा मंत्री रहते हुए वीपी सिंह ने बोफोर्स की कथित दलाली का मसला उठाया था। उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर जनता दल का गठन किया था। साथ ही डीएमके, टीडीसी और असम गण परिषद जैसे क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर राष्ट्रीय मोर्चा बनाया था। बोफोर्स की आंधी में कांग्रेस की सत्ता चली गई थी। 1989 के आम चुनाव में कांग्रेस सबसे ज्यादा सीट लाने के बाद भी विपक्ष में बैठी थी। तब कांग्रेस को सत्ता में आने से रोकने के लिए विपरीत ध्रुवों वाली बीजेपी और वामपंथ साथ आए थे और उनकी बाहरी मदद से वीपी सिंह की राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार बनी थी। दोनों समय की परिस्थितियां और सियासी हालात अलग थे। जनता पार्टी के समय कांग्रेस के प्रति देश में आपातकाल से उपजी परिस्थितियों से गहरा असंतोष था। और अलग-अलग दलों के विपक्षी नेताओं को एक मंच पर लाने के लिए जयप्रकाश नारायण जैसा करिश्माई व्यक्तित्व सामने था। वीपी सिंह की बगावत के बाद बोफोर्स के चलते आम चुनाव एक तरह से भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ही लड़ा गया। लेकिन 2024 की तैयारी कर रहे विपक्षी दलों के पास अभी कोई एक निश्चित मुद्दा नहीं है। कांग्रेस अडानी समूह की बात उठाकर संभावना देख रही है। तो आप पार्टी सीबीआई, ईडी के छापों और पीएम की डिग्री में कुछ टटोल रही है। वैसे महंगाई और रोजगार जैसे मुद्दे सदाबहार हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के समय का कांग्रेस का विपक्ष को संदेश यही था कि नेतृत्व कांग्रेस ही करेगी। कांग्रेस के नेतृत्व का अर्थ राहुल की ताजपोशी होगी। इसलिए राहुल गांधी की यात्रा के समय विपक्षी दलों ने अगर अनदेखी नहीं की तो खुलकर सराहना भी नहीं की। यहां तक कि कुछ गिनी-चुनी पार्टियों के नेताओं ने उसमें शिरकत की। सपा, बसपा, आरजेडी, आरएलडी ने अपने को अलग रखा। साफ था कि ये राजनीतिक दल राहुल गांधी को इतनी अहमियत नहीं देना चाहते थे कि वह विपक्षी एकता के रथ में नायक की तरह दिखें। दूसरा फेस वहां से शुरू होता है मानहानि मामले में जब सूरत कोर्ट के एक फैसले के चलते राहुल गांधी को अपनी संसद सदस्यता गंवानी पड़ी। यहां कांग्रेस के साथ विपक्ष खड़ा होता दिखा। लेकिन विपक्षी एकता के वाहक बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने मौन साधे रखा। विपक्ष ने यह धारणा बनाने की कोशिश की है कि केंद्र सीबीआई और ईडी के जरिये विपक्षी नेताओं को टारगेट कर रही है। ठीक इसी तरह राहुल गांधी की सदस्यता जाने पर कांग्रेस ने बीजेपी को ही इसका जिम्मेदार बताया। राहुल की सदस्यता जाने के बाद विपक्ष में थोड़ी कांग्रेस के लिए नरमी दिखी। बिहार से नीतीश कुमार ने भी अपनी जड़ता तोड़ी। नीतीश ने कहा कि विपक्षी एकता के लिये कांग्रेस को साथ लेना ही पड़ेगा। लेकिन जब कांग्रेस के साथ दूसरे विपक्षी दलों की आपसी ट्यूनिंग बनती दिखने लगी



तभी एनसीपी नेता शरद पवार और उससे पहले अजित पवार के बयानों ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। सावरकर का मामला, अडानी का विरोध या संसद ठप्प करने की बात शरद पवार की तरफ से कांग्रेस के लिए अनुकूल टिप्पणी नहीं आई।

कांग्रेस ने शरद पवार और ममता बनर्जी के रुख को पढ़ते हुए फिर नीतीश कुमार की तरफ गेंद बढ़ाई। कांग्रेस ने उन्हें इस भूमिका के लिए तैयार किया कि वह विपक्ष को एकजुट करने के सूत्रधार बने। इसी आमंत्रण पर नीतीश की दिल्ली यात्रा हुई और तीन पार्टियों के नेताओं के अलग-अलग मंच पर मुस्कराती हुई तस्वीरें नजर आईं। माना जा सकता है कि कांग्रेस की यह कोशिश शरद पवार और ममता बनर्जी को संदेश देने के लिए भी रही हो कि उनके बिना भी नीतीश के सहारे एकता का काम आगे बढ़ाया जा सकता है।

---

सुबीर रॉय

# अस्थाई श्रमबल को सुरक्षा कवच की जरूरत

ज़ोमैटो की मिल्कियत वाली त्वरित वाणिज्यिक फर्म ब्लिंकिट कंपनी के कर्मचारी- जो ऑनलाइन दिये ऑर्डर की होम-डिलीवरी करते हैं- नई मेहनताना नीति के खिलाफ अप्रैल माह के आरंभ से हजारों की संख्या में इसलिए प्रदर्शन कर रहे हैं कि उन्हें आशंका है कि इसकी वजह से उनकी आमदनी आधी रह जाएगी। इससे न केवल यह नौकरी जारी रखना दूभर हो जाएगा बल्कि जीवन यापन भी मुश्किल होगा। इस सारे टकराव के पीछे की आर्थिकी पर नज़र डालें तो पता चलता है कि अस्थाई किस्म का यह रोज़गार क्यों अर्थव्यवस्था के लिए काफी अहम है। इस समस्या का कोई व्यवस्थात्मक हल इस लेख के लिखे जाने तक, अभी तक क्यों नहीं निकल पाया।

कुछ सप्ताह पहले तक, एक डिलीवरी पहुंचाने पर 50 रुपये मेहनताना मिलता था, उसे दूरी के हिसाब से काफी कम निर्धारित किया गया है। कंपनी के नये आदेश के अनुसार, जिस ऑर्डर को पहुंचाने के लिए 5 किमी. की दूरी तय करनी पड़ती है उसके लिए उतना मेहनताना भी नहीं मिलेगा, जितना कभी 2 किमी. दूरी के लिए मिला करता था। पहले, यदि कोई डिलीवरी मैन एक दिन में लंबी दूरी के ऑर्डर ज्यादा भुगताता था तो जाहिर है कम दूरी के ऑर्डर पहुंचाने वाले के बरक्स कम ऑर्डर भुगतान पाता था किंतु रेट के हिसाब से माकूल मेहनताना मिल जाता था, लेकिन अब नयी व्यवस्था के अनुसार यह नहीं हो पाएगा।

लगता है यह झगड़ा खत्म नहीं होने वाला क्योंकि दोनों पक्ष 'करो या मरो' की लड़ाई लड़ रहे हैं। जिस डिलीवरी मैन की यहां बात हो रही है, वह पहले ही हर रोज इतना कम कमा पाता था जिससे कि अपना और निर्भर परिवार का गुज़ारा बहुत मुश्किल से चल पाता। चूंकि यह रोजगार 'दिहाड़ीदार' किस्म का है और कामगार को न तो एकमुश्त तनख्वाह मिलती है और न ही उस किस्म की सामाजिक सुरक्षा जो अन्य नौकरी में होती है, भले ही कमाई कितनी भी कम क्यों न हो। लिहाजा जो कुछ थोड़ा-बहुत वे कमा पाते हैं, उसे गंवाना गवारा नहीं कर सकते। वैसे भी, सामान्यत: अनौपचारिक रोजगार क्षेत्र में काम करने वालों का कभी भी उतना पैसा नहीं बन पाता जितना उद्योगों में काम करने वाले किसी कामगार को मिलता है। विडंबना है कि जिस डिजिटल तकनीक ने कभी उनके लिए ऑनलाइन ऑर्डर एवं पेमेंट रूपी अस्थाई रोजगार पैदा किया था, अब वही उन्हें प्रदर्शन की जगह और समय के बारे में वह जानकारी मुहैया करवा रही है, ताकि प्रदर्शन का असर सबसे अधिक हो सके।

यह बात कोई भी समझ सकता है कि आय के सबसे निचले पायदान के कामगार पर कंपनी क्यों इतनी सख्त हुई पड़ी है? यूं भी रोजाना लगभग 12 घंटे काम करके लगभग 500 रुपये या कुछ अधिक ही कमा पाते हैं, वह भी हफ्ते में सातों दिन काम करके, ऐसे में समझौता करने लायक बेचारे हैं कहां! वहीं कंपनी खुद अपनी लाचारी यह कहकर बता रही है कि भारी घाटा हो रहा है और अगर खर्च न घटाए गए, जिनमें डिलीवरी मद में दिया जाना वाला मेहनताना सबसे ज्यादा है, तो वह ज्यादा दिन तक नहीं चल पाएगी। अब यदि कंपनी बंद हो जाती है, जैसा कि बहुत से नव-उद्यमों के साथ होता रहता है। तब डिलीवरी मैन लड़ेंगे किस रोजगार प्रदाता से और ऐसे में जरा भी कमाई न रही, तब क्या बनेगा? इस सबके पीछे की हकीकत जानने के लिए पहले अस्थाई रोजगार देने वाली आर्थिकी का परिदृश्य समझना जरूरी है। इसके तहत, किसी व्यक्ति को काम मिलता तो है, पर ठेके पर, जो कि मोबाइल फोन एप्लीकेशन आधारित धंधा है। इंटरनेट, स्मार्टफोन, डिजिटल तकनीक के विस्तार होने के साथ सूचना का आदान-प्रदान करने वाले मंचों के उभरने से अस्थाई रोजगार देने वाली आर्थिकी भी बढ़ती गई।

आलोचनात्मक रूप से, अस्थाई रोजगार मुहैया करवाने वाली अर्थव्यवस्था और अस्थाई कर्मी दोनों के लिए एक अहम सहयोगी यानी केंद्रीय सरकार है? और आपसी सहयोग किस तरह का है? वह इसलिए कि सरकार को अहसास है कि और कुछ नहीं तो दसवीं-बारहवीं पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं को अन्य कोई शहरी आर्थिक गतिविधि इतनी बड़ी संख्या में रोजगार नहीं दे पा रही है जितना कि अस्थाई रोजगार प्रदाता कंपनियां। यह बात बताये जाने की जरूरत नहीं कि सामाजिक शांति और एक स्थिर अर्थव्यवस्था का माहौल बनाने के लिए, जिसमें विकास हो पाये, युवाओं का वह समूह जो डिलिवरी करता है, उसको सेवा क्षेत्र में मिला काम इन दोनों पक्षों की ही नहीं बल्कि समाज की भी अपरोक्ष सहायता करता है।

हालांकि कंपनियों को जिस आधिकारिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, उसका सरलीकरण करते हुए, वित्तीय मदद होने पर, ऐसे प्लेटफॉर्म्स को बढ़ावा मिल सकता है। जब तक, ज्यादा से ज्यादा लोगों के पास न्यूनतम क्रय शक्ति न हो और उन्हें स्मार्टफोन्स के जरिये डिजीटल लेन-देन करना न आता हो, ये रोजगार प्रदाता प्लेटफार्म आगे नहीं बढ़ पाएंगे। यदि उनकी खुद की तरक्की न हो पाये तो फिर अस्थाई ही सही, युवाओं की रोजगार संख्या में इजाफा कैसे हो पायेगा। नीति आयोग का अनुमान है कि अस्थाई कर्मियों की संख्या, जो वर्ष 2020-21 में 77 लाख थी, 2029-30 तक 2.25 करोड़ पहुंच जाएगी, यानी नौ सालों में तीन गुणा की बढ़ोतरी। जब सरकार खुद चाहती है कि अस्थाई रोजगार प्रदाता कंपनी और देश की आर्थिकी फले-फूले, तो ऐसे में ब्लिंकिट जैसी कंपनियां क्यों सिकुड़ रही हैं? वह इसलिए कि इन कंपनियों को काफी घाटा हो रहा है।

## खुलेंगे करियर के नए द्वार

5जी तकनीक आने से भारत के युवाओं को कई रूपों में फायदे होने वाले हैं। अच्छी तकनीकी शिक्षा दी जा सकेगी। इससे समय पर इंडस्ट्री के साथ कनेक्ट करके रोजगार पाने में मदद मिल सकेगी। इसका सबसे ज्यादा फायदा ग्रामीण क्षेत्रों के उन युवाओं को होगा, जो तेज इंटरनेट की सुविधा उपलब्?ध न होने के कारण बहुत सारी सुविधाओं से वंचित रह जाते थे। जाहिर है, जब युवाओं की अच्छी स्किलिंग होगी, तो रोजगार के नये द्वार भी खुलेंगे।

# टेलीकाम सेक्टर में हैं जॉब के बेशुमार मौके

केंद्र सरकार 5जी सेवा का विस्तार करने के लिए बुनियादी ढांचा बढ़ाने और ज्यादा से ज्यादा टावर लगाने पर काफी जोर दे रही है। देश में 5जी सेवाएं शुरू होने के बाद अब 5जी कम्युनिकेशन और इंटरनेट में करीब 70 प्रतिशत उछाल आने की उम्मीद की जा रही है। वैसे अगर आंकड़ों को देखें, तो अब तक 5जी स्मार्टफोन की बिक्री करीब 13 गुना से ज्यादा बढ़ गई है। इस तकनीक से सिर्फ आपके स्मार्टफोन को इस्तेमाल करने का अनुभव ही नहीं बदलने वाला है, बल्कि आटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग, हेल्थकेयर और शिक्षा समेत देश के विभिन्न सेक्टर भी इसे तेजी से अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं। एविएशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग तथा कामिक्स टास्क फोर्स का भी यही अनुमान है कि 2023 के अंत तक विश्वभर में 42.5 प्रतिशत स्मार्टफोन 5जी तकनीक से लैस हो जाएंगे।

## आकर्षक पैकेज

टेलीकाम सेक्टर में हमेशा से युवाओं को अच्छी सैलरी मिलती रही है। यहां टेलीकाम इंजीनियर के रूप में शुरुआत में 40 से 50 हजार रुपये तक आराम से सैलरी मिल जाती है। गैर तकनीकी पृष्ठभूमि के प्रोफेशनल्स भी यहां शुरुआत में 20-25 हजार रुपये पा जाते हैं।

### प्रमुख संस्थान

आइआइटी खड़गपुर
बीआइटी मेसरा, रांची
एनआइईटी, ग्रेटर नोएडा
भारती स्कूल आफ टेलीकाम टेक्नो. एंड मैनेजमेंट, दिल्ली

## प्रशिक्षण लैब खोलने पर जोर

आने वाले दिनों में 5जी तकनीक में प्रशिक्षित मैनपावर की जरूरत को देखते हुए टीएसएससी के अलावा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के नेशनल स्किल्ड डेवलपमेंट कारपोरेशन की ओर से भी इस दिशा में कई कदम उठाए जा रहे हैं। देश में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग और आपूर्ति के इस बड़े अंतर को पाटने के लिए पूरे देश में करीब 50 ट्रेनिंग लैब खोलने की तैयारी है, जहां 5जी तकनीक की जरूरतों के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि बड़ी संख्या में स्किल्ड मैनपावर को तैयार किया जा सके। दरअसल, अभी शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक 5जी तकनीक की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए अलग से बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

## समझें इंडस्ट्री की जरूरत

टेलीकम्युनिकेशन और इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन में तकनीकी शिक्षा हासिल कर रहे युवाओं को चाहिए कि वे कोर्स की पढ़ाई के साथ बदलती तकनीकों व इंडस्ट्री की जरूरतों को समझते हुए अधिक से अधिक प्रैक्टिकल जानकारी हासिल करने पर जोर दें। इसके लिए लैब में अधिक समय बिताएं। इंडस्ट्री के आने वाले प्रोफेशनल्स की सीख पर ध्यान दें।

## क्या हो योग्यता

टेलीकाम सेक्टर में टेक्निकल और नान-टेक्निकल दोनों तरह के पेशेवरों के लिए अवसर हैं। अगर आपने टेलीकम्युनिकेशन से संबंधित कोई उच्च तकनीकी कोर्स कर रखा है, तो टेलीकाम सिस्टम साल्युशन इंजीनियर, टेलीकाम साफ्टवेयर इंजीनियर, कम्युनिकेशन इंजीनियर, नेटवर्क इंजीनियर जैसे पदों पर नौकरी मिल सकती है। वहीं, अगर नान-टेक्निकल पृष्ठभूमि से हैं, तो आपरेशन, इंस्टालेशन या मेंटिनेंस जैसे विभागों में अपनी कुशलता बढ़ाकर एग्जीक्यूटिव, सुपरवाइजर, टेक्निकल असिस्टेंट तथा मैनेजर जैसे जाब पा सकते हैं।



## हंसना मना है

मरीज- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, मरीज- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, मरीज- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

टीचर- एक टोकरी में 10 आम थे 3 सड़ गए तो कितने बचे? स्टूडेंट- 10 टीचर- अरे मूर्ख 10 कैसे बचेंगे? स्टूडेंट- सड़े हुए आम कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे।

भिखारी- कुछ खाना दे दो... आंटी- अभी खाना बना नहीं है।भिखारी- ठीक है जब बन जाए तो मुझे फोन कर देना ये लो मेरा नंबर...

संता- झगड़ते वक्त बीवी का मन कैसे भटकाना चाहिए, पता है? बंता- नहीं, तुम ही बताओ। संता- सिर्फ इतना बोलो- सुंदर हो तो कुछ भी बोलोगी क्या...? ये 100 फीसदी काम करता है...!

गर्लफ्रेंड- सुनो, मेरी स्किन बहुत ऑयली-ऑयली सी हो गई है, बताइए ना, मैं क्या लगाऊं? बॉयफ्रेंड- ये लो विमबार, ये पूरी चिकनाई हटा देगा। फिर बॉयफ्रेंड की हुई जोरदार कुटाई!

## कहानी | धूर्त बिल्ली का न्याय

बहुत पहले एक जंगल में एक पेड़ के तने में एक खोल था। उस खोल में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज वह खाना ढूंढने खेतों में जाया करता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। जब कई दिनों तक तीतर वापस नहीं आया, तो उसके खोल को एक खरगोश ने अपना घर बना लिया और वहीं रहने लगा। लगभग दो से तीन हफ्तों बाद तीतर वापस आया। खा-खाकर वह बहुत मोटा हो गया था और लंबे सफर के कारण बहुत थक भी गया था। लौट कर उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। यह देख कर उसे बहुत गुस्सा आ गया और उसने झल्लाकर खरगोश से कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। तीतर को इस तरह चिल्लाते हुए देख खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? कौन सा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। इस तरह दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। तीतर बार-बार खरगोश को घर से निकलने के लिए कह रहा था और खरगोश अपनी जगह से टस से मस नहीं हो रहा था। तब तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। उन दोनों की इस लड़ाई को दूर से एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह पेड़ के नीचे ध्यान मुद्रा में बैठ गई और जोर-जोर से ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, तुम समझदार लगती हो। जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। उनकी बात सुनकर बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**
आज लोग आपसे सहानुभूति रखेंगे। किसी खास शख्स या करीबी से धोखा मिलने के आसार हैं। आपके सहज ज्ञान में वृद्धि होगी और विचारों में दृढ़ता आएगी।

**वृषभ**
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा और अपनी तेज बुद्धि और कार्यकुशलता के कारण आप अपने दिन को बढ़िया बनाएंगे। कार्य में सफलता मिलेगी।

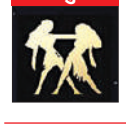

**मिथुन**
आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। कारोबार की गति धीमी होने से थोडा परेशान होंगे। परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे। आध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

**कर्क**
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। आज की शाम एक यादगार शाम बनेगी। स्वयं की सोच को बदलें, न की दूसरों को बदलने की कोशिश करें।

**सिंह**
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा और आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। निजी प्रयासों के बल पर आप सफलता अर्जित करेंगे।

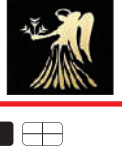

**कन्या**
आपके सभी काम समय से पूरे होंगे। परिवार के साथ घर पर ही मूवी देखने का प्लान बनेगा। कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा।

**तुला**
आज नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। मन को नकारात्मक विचारों से निकाल सकारात्मक विचारों की ओर केन्द्रित करें। धैर्य बनाए रखें।

**वृश्चिक**
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। भाग्य का सितारा बुलंद रहेगा, जिससे कामों में सफलता मिलेगी। काफी लंबे समय से अटकी हुई चीजें पूरी होने लगेंगी।

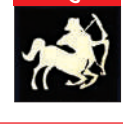

**धनु**
आप खुद को उर्जावान महसूस करेंगे। रोजमर्रा के काम बिना किसी रूकावट के पूरे होंगे। पार्टनर के साथ ईमानदारी आपके लिए फायदेमंद रहेगी।

**मकर**
आज आप और आपका साथी आश्चर्यचकित करने का प्रयास करेंगे। लम्बे वक्त से चले आ रहे भवन पारिवारिक विवाद का अन्तिम दिन है। महत्वपूर्ण काम निपटाने में जुटे रहेंगे।

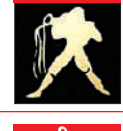

**कुम्भ**
आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। प्रेम जीवन में किसी अन्य व्यक्ति का दखलअंदाजी करना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

**मीन**
आप उत्साह से भरे रहेंगे। आपके घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। आप सभी काम मेहनत से करेंगे। आपकी मेहनत रंग भी लायेगी। जीवनसाथी के साथ रिश्तें और मजबूत होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

# रैपर रफ्तार ने द कपिल शर्मा शो को बताया शोशेबाजी

द कपिल शर्मा शो टीवी का एक पॉपुलर शो है। हर हफ्ते इस शो में सेलिब्रिटी आते हैं और शो के होस्ट कपिल शर्मा दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हैं। बता दें कि हाल ही कपिल शर्मा ने अपने शो के पैटर्न में बदलाव किया है। कपिल, अब अपने शो पर रैपर, मोटिवेशनल स्पीकर्स, कॉमेडियन्स, सिंगर्स, वेतरन एक्टर्स और उन लोगों को भी बुलाते हैं जो अब इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं लेकिन अपने जमाने में हिट रहे हैं। बता दें कि कपिल का यह शो कई बार विवादों में भी आ चुका है। अब यह शो एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल,एक मशहूर रैपर ने कपिल के शो की पोल खोली है। दरअसल, रैपर रफ्तार ने हाल ही कपिल शर्मा के शो की पोल खोली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने लाइव स्ट्रीम वीडियो में बताया कि कपिल का शो सिर्फ शोशाबाजी करता है। उनके शो पर केवल वही लोग आते हैं जो मशहूर हैं, जिससे उनकी रेपुटेशन और बढ़ सके। रफ्तार ने वीडियो में कहा, बेसिकली, क्या होता है, देख हमने काम कर लिया, वहां जाकर यह दिखाना होता है कि हम बहुत बड़े हैं। शोशाबाजी होती है। जनता के सामने इज्जत बन जाती है और बहुत बड़े लगते हैं। घर पर जब मां- बाप देखते हैं तो वह अपने बच्चे के लिए कहते हैं कि वो द कपिल शर्मा शो पर आया था। गली- कूचे में हवा बन जाती है, वरना उसका रियल वर्ल्ड में कुछ वैल्यू नहीं है। रफ्तार ने आगे कहा कि लोगों के बैंक अकाउंट में ज्यादा पैसा न हो लेकिन वे खुद के लिए यह सोचने लगते हैं कि वे बहुत बड़े स्टार बन गए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि लाइफ में बहुत कुछ अचीव कर लिया है। सेलिब्रिटी, सोशल टाइप वाली आइटम है। मतलब वहां चले गए तो कुछ अचीव कर लिया लाइफ में, बाकी बैंक में कुछ हो न हो, कपिल शर्मा के हो जाओ एक बारी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रफ्तार ने जो भी कुछ कपिल शर्मा के बारे में लाइव स्ट्रीम वीडियो के दौरान कहा, वह पूरा पार्ट वीडियो से डिलीट कर दिया है। बता दें कि कृष्णा अभिषेक भी द कपिल शर्मा शो के इस सीजन में नजर नहीं आ रहे हैं।

# ऐश्वर्या के सवाल का मणिरत्नम ने दिया जवाब

**बोले- मैं स्वार्थी हूं और निर्दयी भी, मेरा कोई लकी चार्म नहीं**

निर्माता, निर्देशक मणिरत्नम के साथ काम करने का हर कलाकार का एक सपना होता है, चाहे वह साउथ इंडस्ट्री से हो या फिर बॉलीवुड से। साउथ के अलावा उन्होंने हिंदी दर्शकों को रोजा, बॉम्बे, दिल से जैसी कालजयी फिल्में दी हैं। फिल्म पोन्नियिन सेल्वन 1' के बाद मणि रत्नम की पोन्नियिन सेल्वन 2' इस हफ्ते 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। साउथ इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक के कलाकारों का मणि रत्नम के साथ काम करने का सपना रहा है और जिसे उनके साथ काम करने का मिला हैं वो खुद को भाग्यशाली मानते हैं। लेकिन, क्या मणि रत्नम भी अपने लिए किसी को 'लकी चार्म' मानते हैं? उन्होंने जवाब दिया और साथ यह भी कहा कि सिनेमा के प्रति शुरू से ही उनका नजरिया भारतीय सिनेमा ही रहा है। अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने करियर की शुरुआत मणि रत्नम की फिल्म इरुवर से की थी। वह मणि रत्नम को अपना गुरु मानती हैं और हमेशा एक सच्चे शिष्य की तरह गुरु -शिष्य परम्परा को उन्होंने निभाया है। मणि रत्नम से जब सवाल किया गया कि क्या वह ऐश्वर्या राय बच्चन को अपना लकी चार्म मानते हैं? उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया तभी ऐश्वर्या ने अपनी सीट से उठकर मणि रत्नम के पैर छुए। मणि रत्नम ने कहा, इस मामले में मैं थोड़ा स्वार्थी भी हूं और निर्दयी भी। मेरा कोई लकी चार्म नहीं है। फिल्मों में सिर्फ उन्हीं एक्टर को कास्ट करता हूं, जो प्रतिभावान हैं। मुझे लगता है, इस मामले में हर फिल्मकार थोड़ा स्वार्थी और निर्दयी होता है क्योंकि उसे सिर्फ अपने फिल्म की परवाह होती है। मैं किसी भी कलाकार से तभी सम्पर्क करता हूं, जब मुझे लगता है कि मेरी फिल्म में उसके लायक रोल है।' ऐश्वर्या राय बच्चन के बारे में निर्माता, निर्देशक मणि रत्नम ने कहा, ऐश्वर्या राय के लिए जब भी कोई किरदार मेरी समझ में आया तो मैंने उसने संपर्क किया। हर फिल्म में वह मेरी उम्मीदों पर खरी उतरी हैं। यह कोई लक या आकर्षण नहीं बल्कि उनकी प्रतिभा और व्यक्तित्व है, जिससे वह अपने किरदार को पर्दे पर जीवंत करती हैं।

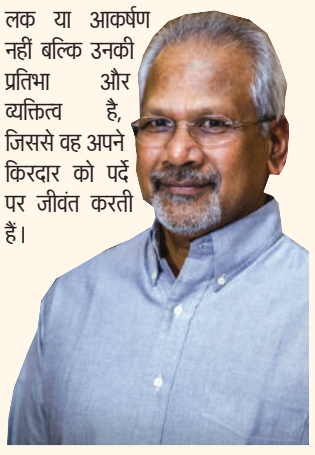

# मोदी के लिए आमिर ने बांधे तारीफों के पुल

**कहा-मन की बात का भारत के लोगों के ऊपर पड़ा है गहरा प्रभाव**

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिल खोलकर तारीफ की है। एक्टर ने दिल्ली में हुए नेशनल कॉन्क्लेव में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने पीएम की प्रशंसा की। अब इवेंट से आमिर का वीडियो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रेडियो शो मन की बात के 100 एपिसोड पूरे होने जा रहे हैं। इस खास मौके पर बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। जहां कई बड़ी हस्तियों ने हिस्सा लिया। इनमें आमिर खान और रवीना टंडन जैसे बॉलीवुड सेलेब्स का नाम भी शामिल है। कॉन्क्लेव में आमिर खान ने मीडिया से बात की। इस दौरान एक्टर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शो मन की बात को लेकर सवाल पूछा गया। जवाब देते हुए आमिर खान ने शो की तारीफ की और पीएम के इस कदम को महत्वपूर्ण बताया। आमिर खान ने कहा, मन की बात का भारत के लोगों के ऊपर गहरा प्रभाव पड़ा है।

ये बहुत ऐतिहासिक चीज हुई है, जो प्रधानमंत्री ने की है। आमिर खान ने कहा, ये कम्युनिकेशन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे देश के लीडर ने किया है। महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते हैं, विचार रखते हैं, सुझाव देते हैं। आप अपने लोगों को बताते है कि आप किस ओर देख रहे हैं, भविष्य को लेकर आपका नजरिया क्या है, आप इसमें किस तरह- से सपोर्ट चाहते हैं। ये एक जरूरी बातचीत होती है जो मन की बात में होती है। आमिर से ये भी पूछा गया कि क्या मोदी रेडियो शो में केवल अपने मन की बात करते हैं। जवाब देते हुए एक्टर ने कहा, मुझे लगता है कि यह उनका विशेषाधिकार है, क्योंकि वह ऐसा कर रहे हैं...ये उनका अपना तरीका है सुनने का कि लोगों को क्या कहना है, देश भर के लोगों से जुड़ते हैं। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही जरूरी पहल है।

अजब-गजब | दुनिया की सबसे गर्म जगहें

# जहां इंसान की हो सकती है मौत

भारत समेत दुनिया के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। भारत के कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसकी वजह से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इसी कड़ी में आज हम आपको दुनिया की पांच ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे, जहां इतनी भयानक गर्मी पड़ती है कि लोगों की जान भी जा सकती है। यह जगहें इतनी गर्म होती हैं कि यहां पर 10 मिनट में इंसान बीमार पड़ सकता है या कुछ घंटे में ही उसकी मौत हो सकती है।

**सहारा रेगिस्तान, अफ्रीका:** दुनिया की सबसे गर्म जगहों में अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान भी शामिल है। इस जगह का औसत तापमान 35 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। पूरे साल यहां 100 मिलिमीटर से भी कम बारिश होती है, जो न के बराबर है। सहारा रेगिस्तान में अधिकतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि सतह का तापमान 76 डिग्री सेल्यिस रिकॉर्ड किया गया है। सहरा दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान है।

**डेथ वैली, कैलिफोर्निया:** कैलिफोर्निया की डेथ वैली दुनिया की सबसे अधिक गर्म जगहों में से एक है। 10 जुलाई 1913 में यहां पर अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड बना था। उस समय डेथ वैली के फरनेस क्रीक नामक स्थान पर अधिकतम तापमान 56.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। फिलहाल यहां पर 37 से 40 डिग्री के बीच तापमान दर्ज किया जाता है। यहां पर गर्मी की कई वजहें हैं जिनमें सूरज की गर्मी, घाटी में गर्म हवाओं का बाहर नहीं जा पाना और फंसकर घूमता रहना है। इसके साथ ही आसपास रेगिस्तान मौजूद हैं, जहां से गर्म हवाएं आती हैं। यहां के जलीय स्रोतों से ह्यूमिडिटी निकलती है, जिनकी वजहों से डेथ वैली में जानलेवा गर्मी पड़ती है।

**फ्लेमिंग माउंटेन, चीन:** चीन का फ्लेमिंग माउंटेन टकलामाकेन रेगिस्तान के उत्तरी इलाके में स्थित है। शिनजियांग प्रांत के तियान शान में स्थित लाल सैंडस्टोन्स की पहाड़ियों को फ्लेमिंग माउंटेंस या हुओयान माउंटेंस भी कहा जाता है। इस पहाड़ की लंबाई 100 किलोमीटर और चौड़ाई 5 से 10 किलोमीटर है। इस जगह गर्मी के दिनों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। बताया जाता है कि साल 2008 में इस इलाके में 66.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड पहुंच था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

**ल अजीजिया, लीबिया:** लीबिया के उत्तर-पश्चिम इलाके में स्थित जाफरा जिले में ल अजीजिया एक छोटा सा कस्बा है। इस इलाके में बहुत अधिक गर्मी पड़ती है। आमतौर पर यहां का उच्चतम तापमान 35 से 40 के बीच रहता है, लेकिन 13 सितंबर 1922 में 58 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था। लेकिन बाद में विश्व मौसम संगठन ने साल 2012 में इसको गलत बताया था, क्योंकि उस समय तापमान मापने की सुविधा इस इलाके में नहीं थी।

# धरती की सबसे सुनसान जगह सुनाई देती हैं रहस्यमयी आवाजें

दुनिया में कई बेहद रहस्यमयी जगहें हैं। इन जगहों के बारे में जानकर लोगों को यकीन नहीं होता है। धरती पर एक ऐसी ही जगह स्थित है, जो चारों तरफ से प्रशांत महासागर से घिरी हुई है। इस जगह को प्वाइंट निमो कहा जाता है। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि इसकी खोज करने वाले वैज्ञानिक भी अभी तक यहां पर नहीं पहुंच सके हैं। इंसानों की आबादी से हजारों किलोमीटर दूर स्थित इस जगह पर जाना आसान नहीं है। धरती की इस रहस्यमयी जगह पर चारों तरफ सिर्फ सन्नाटा है। साल 1992 में एक सर्वे इंजीनियर ने प्वाइंट निमो की खोज की थी, जिनका नाम हर्वोज लुकातेला था। इस जगह पर न कोई इंसान है और न ही कोई वनस्पति। यहां पर अंतरिक्ष की खराब सैटेलाइट को गिराया जाता है। सैटेलाइट के ईंधन को गिराने के लिए भी इस जगह का इस्तेमाल किया जाता है और इस जगह का इस्तेमाल सैटेलाइटों के कबाड़ को इकट्ठा करने के लिए किया जाता है। इस जगह पर हजारों किलोमीटर में सैटेलाइटों का मलबा पड़ा है। समुद्र के बीचों-बीच स्थित प्वाइंट निमो को समुद्र का केंद्र भी माना जाता है। यह जगह दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच मौजूद है। सबसे खास बात यह है कि इस जगह पर किसी देश का अधिकार नहीं है। इस द्वीप से 2,700 किमी दूर सूखी जमीन है। माना जाता है कि यह दुनिया की सबसे अकेली जगह है, क्योंकि यहां पर न अधिक जीव-जंतु हैं और न ही वनस्पति। इस सन्नाटा भरी जगह की आवाज से ही लोगों की रूह कांप जाती है। वैज्ञानिकों ने साल 1997 में प्वाइंट निमो के पूर्व में एक रहस्यमयी आवाज सुनी थी। यह लगभग दो हजार किमी दूर से सुनी गई थी। यह ब्लू व्हेल की आवाज से भी तेज थी, जिसने वैज्ञानिकों को उलझाकर रख दिया। वैज्ञानिक समझ नहीं पा रहे थे कि आखिर यह किस चीज की आवाज है। कुछ लोगों का मानना था कि यह आवाज दूसरी दुनिया की थी। कुछ लोगों ने आवाज को लेकर कई तरह की थ्योरी भी गढ़ी। इस भयानक आवाज को सुनने वाले लोग डर गए।

# कर्नाटक : भड़काऊ बयान देने पर शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज

» बीजेपी और गृहमंत्री के खिलाफ कांग्रेस पहुंची पुलिस स्टेशन

» दुश्मनी और नफरत फैलाने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर राजनीति गरमाई हुई है। कांग्रेस ने अब बीजेपी और अमित शाह पर भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दलों का प्रचार जोरों पर है। आए दिन चुनावी राज्य में रैलियां हो रही हैं। इस बीच अब कांग्रेस ने बीजेपी की एक रैली को मुद्दा बनाते हुए पार्टी पर भड़काऊ बयान देने और नफरत फैलाने का आरोप लगाया है। इसके खिलाफ कांग्रेस के नेताओं ने बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में अमित शाह और बीजेपी के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी ने कथित रूप से भड़काऊ बयान दिया, दुश्मनी और नफरत को बढ़ावा दिया और विपक्ष को बदनाम करने का काम किया है। शिकायत दर्ज कराने वाले नेताओं में रणदीप सिंह सुरजेवाला, डॉ. परमेश्वर और डीके शिवकुमार शामिल हैं।

## कर्नाटक का अपमान कर रही भाजपा

इससे पहले कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने इसे लेकर ट्वीट भी किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी और अमित शाह हर दिन कर्नाटक का अपमान कर रहे हैं। जेपी नड्डाजी का कहना है कि कन्नडिगों को मोदी के आशीर्वाद की जरूरत है। उन्होंने सवाल किया था कि क्या उन्हें राज्य को चलाने के लिए एक भी कन्नडिगा नहीं मिल सकता है कि इसे मोदी को सौंपना है?प्रियंका गांधी ने भी बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा की कर्नाटक में दी गई एक हालिया टिप्पणी को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा प्रहार किया था।उन्होंने कहा था कि कर्नाटक को मौजूदा समय के किसी नेता के आशीर्वाद की जरूरत नहीं है और 'वोट नहीं देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद' नहीं मिलने की धमकी देना' राज्य की जनता का अपमान है।

# सपा के मेयर प्रत्याशी को समर्थन देगी अधिकार सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव में लखनऊ के मेयर पद के लिए अधिकार सेना ने समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी बंदना मिश्रा का समर्थन करने का निर्णय लिया है। इस आशय की घोषणा आज यहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने की है। उन्होंने मीडिया में जारी अपने वक्तव्य में कहा है कि वंदना मिश्रा न सिर्फ निष्ठावान पत्रकार रही हैं बल्कि एक लंबे समय से विभिन्न जनोन्मुखी कार्यों के प्रति समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता रही

अमिताभ ठाकुर ने कहा कि अधिकार सेना की दृष्टि में और वह लखनऊ मेयर पद के लिए सर्वाधिक उपयुक्त उम्मीदवार है। अत: पार्टी द्वारा उनका समर्थन किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि निकाय चुनाव में जिन जगहों पर अधिकार सेना के प्रत्याशी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं वहां पर उनकी पार्टी इसी प्रकार से तथ्यों के आधार पर केस वाई केस बेसिस पर श्रेष्ठतम उम्मीदवार का समर्थन करेगी। राजेन्द्र मिश्र प्रवक्ता, अधिकार सेना ने यह जानकारी दी।

# 50 किग्रा आईईडी विस्फोटक से उड़ाया था जवानों का वाहन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में बुधवार दोपहर हुए नक्सली हमले से एक बार फिर देश दहल उठा। नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाने के लिए उनके वाहन को आईईडी विस्फोटक से उड़ा दिया। बताया जा रहा है कि इस ब्लास्ट के लिए 50 किलो से ज्यादा विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। हमले में डीआरजी के 10 जवान शहीद हो गए और वाहन के चालक को भी अपनी जान गंवानी पड़ी।

तस्वीरों में नक्सली हमले के अब बस निशान बाकी रह गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उच्च स्तरीय बैठक ली है। वह और गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को दंतेवाड़ा पहुंचे। कुछ जवान नक्सल ऑपरेशन पर निकले थे। इसके बाद वह बारिश में फंस गए। टीम उन्हीं जवानों ाके लेने के बाद लौट रही थी। इसी दौरान घात लगाए नक्सलियों ने रास्ते में जवानों के वाहन को आईईडी विस्फोट कर उड़ा दिया। धमाका इतना जोरदार था कि सड़क पर गहरा गड्ढा हो गया।

## दंतेवाड़ा नक्सली हमला

### छत्तीसगढ़ सरकार मुआवजा देगी

**नक्सली हमले में शहीद 10 डीआरजी जवान और एक ड्राइवर के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। सीएम ने कहा कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। इसमें शामिल नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।**

नक्सली हमला अरनपुर मार्ग पर पालनार के पास हुआ। यह इलाका अरनपुर थाना क्षेत्र में आता है। हमले की सूचना मिलते ही बैकअप के लिए फोर्स को मौके पर रवाना कर दिया गया।

# कोरोना के नए मामलों में आई गिरावट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में सक्रिय और नए मामलों में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार गुरुवार को बीते 24 घंटे में 9,335 नए मामले सामने आए। जबकि यह आंकड़ा बुधवार को 9,629 था। वहीं सक्रिय मामले घटकर 57,410 रह गए हैं।

वहीं, महामारी से ठीक होने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। 44,335,977 लोगों ने कोरोना महामारी से जंग जीत ली है। जानकारी के अनुसार, 24 घंटे में 9,355 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि देश में कोरोना के नए मामलों में बुधवार को तेजी दर्ज की गई थी। मंगलवार के मुकाबले नए मामलों में 44 फीसदी का इजाफा हुआ था। हालांकि, सक्रिय मामलों की संख्या में गिरावट जारी है।

सरकारी आंकड़ों में कहा गया है कि गुरुवार को 26 मौतों के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,31,424 हो गई है। वहीं, मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत, जबकि रिकवरी दर 98.69 प्रतिशत दर्ज की गई।

# पहाड़ों पर बर्फबारी व मैदानों में बारिश से गर्मी से मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक अभी कम से कम पांच दिनों तक उत्तर व पश्चिम भारत में भीषण गर्मी से राहत जारी रहेगी। उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा समेत पूरे उत्तर पश्चिमी भारत में इस समय भीषण गर्मी का कहर थमा हुआ हैं।

आईएमडी के मुताबिक 30 अप्रैल तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड) के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और अन्य क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। वहीं, दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी-पश्चिमी राजस्थान में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हो सकती है। कहीं-कहीं गरज के साथ बारिश होगी तो कहीं बिजली भी गिर सकती है। कुछ क्षेत्रों में आंधी भी चल सकती है। मौसम के इस मिजाज के चलते लगभग

पूरे देश में अगले पांच दिन तक लू नहीं चलेगी।

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में बुधवार को एकबार फिर से मौसम बदल गया। इस दौरान कठुआ के बिलावर के ऊपरी इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। कई जगह आंधी-तूफान से फसलों और अन्य का नुकसान हुआ है। मेंढर इलाके में पेड़ गिरने से एक मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि जान माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

# सुयश-वरुण के फांस में फंसी कोहली की सेना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**बेंगलुरु। आईपीएल 2023 के 36वें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को 21 रन से हरा दिया है। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 200 रन बनाए। जेसन रॉय ने 29 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 56 रन बनाए।**

वहीं, कप्तान नीतीश राणा ने 21 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के की मदद से 48 रन की पारी खेली। जवाब में बैंगलोर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 179 रन ही बना सकी। कप्तान विराट कोहली ने 37 गेंदों में छह चौके की मदद से 54 रन की पारी खेली। कोलकाता की टीम लगातार चार मैच हारने के बाद पहला मैच जीती है।

वहीं, बैंगलोर की टीम को लगातार दो जीत के बाद हार मिली है। केकेआर के आठ मैचों में तीन जीत और पांच हार हैं। छह अंकों के साथ टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। वहीं, बैंगलोर की टीम आठ मैचों में चार जीत और चार हार के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है।

**21 रनों से हराया कोलकाता ने बैंगलोर को | मेहमान के घर में केकेआर की लगातार पांचवीं जीत**

## नाइटराइडर्स की लगातार दूसरी जीत

कोलकाता की टीम ने इस सीजन बैंगलोर के खिलाफ अपने दोनों मैच जीते हैं। इससे पहले केकेआर ने आरसीबी को ईडन गार्डन्स में 81 रन से हराया था। तब केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए थे और बैंगलोर को 123 रन पर समेट दिया था। उस मैच में कोलकाता के स्पिनर्स ने बैंगलोर के नौ विकेट लिए थे। वहीं, इस मैच में भी केकेआर के स्पिनर्स ने आरसीबी के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने नहीं दिया। सुयश ने दो और वरुण ने तीन विकेट झटके। बैंगलोर और कोलकाता की टीमें अब तक 32 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इनमें हमेशा से कोलकाता का पलड़ा भारी रहा है। केकेआर ने 18 मैच जीते हैं, जबकि बैंगलोर ने 14 मुकाबले जीते हैं। वहीं, बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में दोनों टीमें 12 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इनमें से कोलकाता ने आठ और बैंगलोर ने चार मुकाबले जीते हैं। दोनों के बीच हुए पिछले छह मैचों में केकेआर ने चार और बैंगलोर ने दो मैच जीते हैं।

फोटो: सुमित कुमार

**प्रचार** जैसे-जैसे निकाय चुनाव नजदीक आ रहे वैसे-वैसे प्रत्याशियों के प्रचार में तेजी आ गई है। उम्मीदवार अब रोड शो के साथ-साथ घर-घर वोट मांगने पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में सपा की मेयर प्रत्याशी वंदना मिश्रा, भाजपा उम्मीदवार सुषमा खर्कवाल व आम आदमी पार्टी की अंजू भट्ट ने लोगों से अपनी पार्टी के लिए वोट मांगा। सपा की सभासद प्रत्याशी सिमरन सक्सेना ने गढ़ी पीर खां वार्ड में अपने पक्ष में वोट करने की अपील की।

# 'छात्रों को बंधक बनाने के पीछे दिल्ली की साजिश'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा में बंदूक दिखाकर बच्चों से भरी कक्षा को बंधक बनाने की धमकी देने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।उस समय कक्षा में लड़कियों समेत करीब 35 से 40 बच्चे मौजूद थे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पुलिस ने समय पर कार्रवाई से एक आपदा टल गई। साथ ही कहा कि यह कृत्य पागलपन की श्रेणी में नहीं आता है।

बंगाल की सीएम ने इस हमले को दिल्ली की साजिश करार दिया है.। वहीं, भाजपा ने कहा कि बंगाल में कानून और व्यवस्था की भयानक स्थिति बन गई है। बताया जा रहा है कि एक पुलिसकर्मी कक्षा में घुस गया और बच्चों को बंधक बनाने वाले शख्स को काबू में कर लिया। इस दौरान भयभीत बच्चे कक्षा से बाहर निकल गए। पुलिस उपाधीक्षक (कानून व्यवस्था) अजहर उद्दीन ने बंदूकधारी व्यक्ति से बात करते हुए, उससे हथियार छीन लिया और उसे जमीन पर गिरा दिया।



**ममता बोलीं : यह कृत्य पागलपन की श्रेणी में नहीं आता**

## पुलिस अधिकारियों और मीडिया को बधाई : सीएम

इस घटना पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, मुझे अपने पुलिस अधिकारियों और मीडिया को बधाई देनी चाहिए, जिन्होंने हमें साजिश के गहरे समुद्र से बचाया है। बंगाल के चारों ओर एक साजिश रची जा रही है, और मुझे विश्वास है कि दिल्ली इसमें शामिल है। मुझे नहीं पता वास्तव में यह कौन कर रहा है, लेकिन यह पूरी तरह से दिल्ली की साजिश है। जहां कहीं भी विपक्षी पार्टी राज्य में सत्ता पर काबिज है, वहां उसे परेशान करने की कोशिश की जा रही है, और वे शुरू से ही मेरे साथ ऐसा करते आ रहे हैं। ममता बनर्जी यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने आरोप लगाया कि कोई भी आम आदमी इसे अंजाम नहीं दे पाता, उन्होंने (बंधक) शब्द कहाँ से सीखा? जब इस तरह की हरकत करने वाले लोग पकड़े जाते हैं, तो तुरंत कुछ लोग कहते हैं कि यह पागल है. लेकिन सोचने की बात ये है कि किसने उन्हें यह विचार दिया कि आप इस तरह बंधक बना सकते हैं।

## कानून और व्यवस्था की स्थिति भयानक : सुकांत मजूमदार

वहीं, इस घटना को लेकर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कोलकाता को लंदन में बदल देंगी। मैंने अमेरिका में ऐसी बंदूकधारियों से संबंधित घटनाओं के बारे में सुना है। अब यह हमारे कस्बों और गांवों में हो रहा है। आप कल्पना कीजिए कि यहां कानून और व्यवस्था की कितनी भयानक स्थिति बन गई है।

# प्रकाश सिंह बादल पंचतत्व में विलीन आखिरी दर्शन को उमड़ी भारी भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पांच बार पंजाब के मुख्यमंत्री रह चुके शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल आज पंचतत्व में विलीन हो गए। मंगलवार रात आठ बजे 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। दोपहर एक बजे उनके पैतृक गांव बादल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके आखिरी दर्शनों के लिए भीड़ उमड़ पड़ी।

बादल गांव में किन्नू के बाग में जगह समतल करके करीब 50 फीट लंबा और 30 फीट चौड़ा एक चबूतरा तैयार किया गया है जहां प्रकाश सिंह बादल का अंतिम संस्कार किया गया। बाद में इसी चबूतरे को स्मारक में बदल दिया जाएगा और यहां बादल की यादगार बनेगी।

## ट्रैक्टर में निकाली गई अंतिम यात्रा

प्रकाश सिंह बादल की अंतिम यात्रा घर से खेत तक ट्रैक्टर में निकाली गई। ट्रैक्टर को फूलों से सजाया गया है। सुबह दस से बादल के पैतृक निवास में लोग पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर श्रद्धा-सुमन अर्पित करने पहुंच रहे हैं।

फोटो :4 पीएम

**जानकारी** यूपी के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने आज प्रेस कांफ्रेंस कर 15 जून से मुंबई में होने वाली नेशनल लेजिस्लेटिव की जानकारी दी। इस मौके पर प्रमुख सचिव विस प्रदीप दुबे भी मौजूद रहे।

# सपा व कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी निकाय चुनाव में पहले चरण के मतदान से पहले नेताओं का पाला बदलना जारी है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के सरोजनी नगर से जिला पंचायत सदस्य पलक रावत सहित कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ले ली।

इसी तरह कांग्रेस के कई नेता भी भाजपाई हो गए। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष भाजपा में शामिल हो गए। दिलप्रीत सिंह डीपी ने भाजपा की सदस्यता ले ली है। इसके अलावा, कांग्रेस के टिकट पर पार्षद का चुनाव लड़ चुके रणवीर सिंह कलसी और कांग्रेस शहर महासचिव संजय गिरी भी भाजपा में शामिल हो गए।

# चीजों को लोगों पर थोपा नहीं जा सकता : रिजिजू

**समलैंगिक विवाह पर केंद्रीय कानून मंत्री की प्रतिक्रिया**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने समलैंगिक विवाह के मुद्दे पर सुनवाई करने वाले सुप्रीम कोर्ट पर बोलते हुए कहा कि अदालतें इस तरह के मुद्दों को सुलझाने का मंच नहीं हैं। किरेन रिजिजू की ये टिप्पणी तब आई जब बुधवार (26 अप्रैल) को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह करते हुए कहा कि ये मुद्दा संसद पर छोड़ दिया जाए।

किरेन रिजिजू ने कहा,कि अगर पांच बुद्धिमान लोग कुछ तय करते हैं जो उनके अनुसार सही है तो मैं उनके खिलाफ किसी भी तरह की टिप्पणी नहीं कर सकता। हालांकि, अगर लोग ऐसा नहीं चाहते हैं तो आप चीजों को लोगों पर थोप नहीं सकते हैं।

## सुप्रीम कोर्ट के पास शक्ति है, पर मंच नहीं

केंद्रीय कानून मंत्री ने आगे कहा, शादी जैसे महत्वपूर्ण मामले का फैसला देश के लोगों को करना है। सुप्रीम कोर्ट के पास निश्चित रूप से निदर्श जारी करने की शक्ति है। धारा 142 के तहत वे कानून भी बना सकते हैं लेकिन जब देश के प्रत्येक नागरिक को प्रभावित करने वाले मामले की बात आती है तो सुप्रीम कोर्ट मंच नहीं है। मैं इसे सरकार बनाम अदालत नहीं बनाना चाहता, बिल्कुल भी नहीं, ये अदालत और सरकार के बीच का मामला नहीं ह, ये एक ऐसा मामला है जो भारत के प्रत्येक नागरिक से संबंधित ह, ये लोगों की इच्छा का सवाल ह, लोगों की इच्छा संसद, विधायिका, विधानसभाओं में विभिन्न मंचों पर होती है जिसके लिए लोगों को चुना गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।